चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द

स्नातकोत्तर हिन्दी प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम

1. हिन्दी भाषा और उसका विकास

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण, हिन्दी की उपभाषाएँ और बोलियाँ।

हिन्दी के विविध रूप : मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा और संचार भाषा; देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण।

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण, आदिकाल की विशेषताएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख आदिकालीन कवि और उनकी रचनाएँ।

भक्तिकाव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण काव्यधारा, सगुण काव्य धारा, भक्तिकालीन प्रमुख कवि और उनका काव्य।

रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त), रीतिकालीन प्रमुख कवि और उनका काव्य।

भारतेन्दु युग (प्रमुख कवि और उनका काव्य), **द्विवेदी युग** (प्रमुख कवि और उनका काव्य), **छायावाद** (प्रमुख कवि और उनका काव्य), **प्रगतिवाद** (प्रमुख कवि और उनका काव्य), **नई कविता** (प्रमुख कवि और उनका काव्य)

3. हिन्दी साहित्य की विविध विधाएँ एवं रचनाकार

हिन्दी उपन्यास : प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती उपन्यासकार।

हिन्दी कहानी : हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास, प्रमुख कहानी आन्दोलन एवं कहानीकार।

हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, हिन्दी नाटक के विकास के चरण और प्रमुख नाटककार।

हिन्दी निबन्ध : हिन्दी निबंध का उद्‌भव और विकास, हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार।

हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास, आलोचना के प्रकार एवं प्रमुख आलोचक।

हिन्दी की नव्येत्तर गद्य विधाएँ : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज।

4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप

भारतीय संविधान और हिन्दी, राजभाषा हिन्दी का विकास, राजभाषा आयोग, समिति और अधिनियम, निजी और औपचारिक पत्राचार, सार-लेखन, पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण, कम्प्यूटर और हिन्दी।

5. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी

हिन्दी के प्रमुख समाचार पत्र-पत्रिकाएँ एवं उनके संपादक, विज्ञापन और हिन्दी भाषा, रेडियो और टेलीविजन।

6. भारतीय काव्यशास्त्र

काव्य के लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन, प्रमुख सम्प्रदाय और सिद्धांत - रस, ध्वनि और अलंकार

शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य दोष।